बुधवार
05 जून 2024

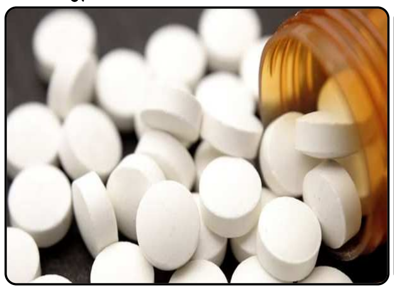

पृष्ठ 4
वेट ही नहीं हार्ट हेल्थ का रिस्क भी घटाती..

पृष्ठ 5
मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले आईपीएल...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 124
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
– प्रेमचंद

मोदी 8 जून को ले सकते हैं शपथ

●नायडू व नीतीश बिना शर्त किसी के साथ नहीं
●एनडीए व इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक जारी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। लेकिन सरकार किसकी बनेगी यह अभी तक तय नहीं हो पाया है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही खेमे के नेताओं में सरकार गठन को लेकर विचार मंथन जारी है। आज इंडिया और एनडीए दोनों के नेताओं ने दिल्ली में बैठक बुलाई है। भाजपा जो सबसे बड़े दल के रूप में सामने आया है और एनडीए सबसे बड़े गठबंधन के रूप में उभरा है के द्वारा ऐसी सरकार बनाने जो शर्तों के आधार पर बनी हो, रुचि नहीं दिखाई जा रही है। वहीं कांग्रेस (इंडिया) जो बहुमत के आंकड़े से लगभग 38 सीटें पीछे हैं, सरकार बनाने के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जो किंग मेकर की भूमिका में आ गए हैं पर भरोसा करने में हिचक रही है।

जानकारी के अनुसार बीजेपी जल्द सरकार बनाने का दावा पेश करने जा रही है और 8 से 10 जून के बीच नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। लेकिन इससे पूर्व वह अपने सभी दलों के नेताओं को ठोक बजाकर देख लेना चाहते हैं। भले ही वह एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़े हो लेकिन टीडीपी के नेता चंद्रबाबू नायडू और जदयू के नेता नीतीश कुमार ने सरकार व मंत्रिमंडल में अपना लोकसभा स्पीकर और गृहमंत्री तथा रक्षा मंत्री बनाए जाने की शर्ते रखी गई है। भाजपा को यह शर्ते स्वीकार होगी तभी एनडीए की सरकार केंद्र में बना पाना संभव है। उधर सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि इंडिया के नेताओं ने इन दोनों से संपर्क साध रखा है। आज एनडीए के अन्य नेताओं की तरह वह भी दिल्ली आ रहे हैं।

उधर इंडिया गठबंधन का कहना है कि सरकार तो उनकी भी बन सकती है लेकिन इन महीन संभावनाओं पर कोई बड़ा राजनीतिक दांव नहीं खेला जा सकता है। बिना शर्त तो नीतीश कुमार और न ही चंद्रबाबू नायडू भी इंडिया के साथ आ सकते हैं। अगर इंडिया के नेताओं को उनकी शर्ते भी मंजूर नहीं हुई तो फिर कांग्रेस के लिए भी सरकार को चलाना और संतुलन साधना उतना ही मुश्किल होगा जितना बीजेपी और मोदी को होगा। इन दोनों ही गठबंधनों की बैठकों के बाद ही साफ हो सकेगा कि किसकी सरकार बनने वाली है इन चुनावी नतीजो के बाद यह साफ हो गया है कि अब न तो सरकार बनाना किसी के लिए आसान रहने वाला है और न ही सरकार चलाना आसान होगा। मौके दोनों के ही पास होंगे लेकिन सही मायने में तो अब आगे जो कुछ भी होने वाला है वह बड़ा राजनीतिक खेला ही होगा क्योंकि नीतीश कुमार ने सरकार के सामने कॉमन मिनिमम प्रोग्राम तय करने का पासा फेंक दिया है। बिसात बिजी हुई है खिलाड़ियों की चाले जारी है बाजी का परिणाम क्या होगा इसके लिए अभी अनिश्चितकाल तक इंतजार करिए?

सहस्त्रताल: 11 ट्रैकर्स को रेस्क्यू कर निकाला, 5 के शव बरामद

❑चार की तलाश जारी, बचाव कार्य युद्धस्तर पर

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सहस्त्रताल रेस्क्यू अभियान में अभी तक रेस्क्यू टीमों द्वारा 11 ट्रैकर्स को हेलीकाप्टर के माध्यम से सुरक्षित निकाला जा चुका है। जबकि घटना स्थल से 5 शव भी बरामद किये गये है। दो ट्रैकर्स जो नजदीकी कैम्प में सुरक्षित थे वह सिल्ला गांव के लिए पैदल निकल चुके है। इस बचाव अभियान में अभी चार लोगों की खोज के लिए रेस्क्यू अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

बता दें कि हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐजेंसी, मनेरी के द्वारा मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर एक 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल जिसमें कनार्टक के 18 सदस्य एवं महाराष्ट्र का एक सदस्य और तीन स्थानीय गाईड शामिल थे, को गत 29 मई को सहस्त्रताल के ट्रैकिंग अभियान पर रवाना करवाया गया था। इस ट्रैकिंग दल को आगामी 7 जून तक वापस लौटना था। इसी दौरान गत दिन अंतिम शिविर से सहस्त्रताल पहुंचने के दौरान मौसम खराब होने से यह दल रास्ता भटक गया। सम्बन्धित ट्रैकिंग ऐजेंसी ने खोजबीन करने पर इस दल के चार सदस्यों की मृत्यु होने की सूचना देते हुए ट्रैक में फंसे 13 सदस्यों ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार एक ही विमान से दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जहां एनडीए की बैठक में भाग लेने नई दिल्ली गए, वहीं, इंडिया की बैठक में भाग लेने तेजस्वी यादव भी नई दिल्ली गए। दोनों नेता एक ही विमान से दिल्ली रवाना हुए। इस बीच राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार फिर से गर्म हो गया। भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है। सरकार बनाने के लिए उसे जदयू की जरूरत होगी। उधर, कांग्रेस भी जदयू की ओर आशा भरी निगाह से देख रही है। विमान के अंदर नीतीश और तेजस्वी की मुलाकात का वीडियो सामने आया है। इसमें नीतीश को देखते ही तेजस्वी खड़े होते दिख रहे हैं। दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हैं। इसके बाद तेजस्वी कहते हैं 6 बजे बैठक है। फिर दोनों अपनी-अपनी कुर्सी पर बैठक जाते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री आवास पर ललन सिंह पहुंचे थे। दरअसल, दिल्ली जाने से पहले नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी के आला और अहम नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान जदयू के राज्यसभा सांसद संजय झा भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दिल्ली रवाना हुए।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपा इस्तीफा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंप दिया। साथ ही मंत्रिमंडल भंग करने की सिफारिश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उन्होंने नरेंद्र मोदी और मंत्रिपरिषद से अनुरोध किया है कि वे नई सरकार के कार्यभार संभालने तक पद पर बने रहें। इससे पूर्व मोदी मंत्रिमंडल की आज सुबह 11:30 बजे आखिरी बैठक हुई। इसमें सरकार ने तीसरी बार जीत को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। बैठक में 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश हुई। इसके बाद मोदी राष्ट्रपति भवन गए और अपना इस्तीफा सौंपा।

नरेंद्र मोदी 8 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। एनडीए के सभी सांसदों से एकजुटता के लिए साइन करवा लिया गया है। जदयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने बताया कि 7 जून को संसद के सेंट्रल हॉल में एनडीए के सभी सांसदों की बैठक होगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिलीं हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीट कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 292 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया।

चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जेडीयू 12 सीटों के साथ एनडीए में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है। अब नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। एक तरफ बीजेपी अपने सहयोगियों के साथ बातचीत कर रही है। आज शाम 4 बजे दिल्ली में एनडीए की मीटिंग होने वाली है। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस मीटिंग में शामिल होने के लिए नीतीश कुमार दिल्ली पहुंच गए हैं। वहीं इण्डिया गठबंधन भी एक्टिव हो गया है। आज शाम 6 बजे इण्डिया गठबंधन की मीटिंग होनी है। इसमें गठबंधन के आगे की रणनीति के बारे में चर्चा की जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

जनता की जीत

लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। देश में एक बार फिर मोदी सरकार बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेता इस कामयाबी पर खुश हो सकते हैं और होना भी चाहिए क्योंकि इस जीत की हैट्रिक के साथ ही वह स्व. पंडित नेहरू की बराबरी पर जाकर खड़े हो जाएंगे जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। कल इस चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री ने जिस अंदाज में यह बात कही कि विपक्ष मिलकर भी उतनी सीटें नहीं जीत सका जितनी अकेले भाजपा को मिली है यह समझ से परे है कि इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री इतने अधिक इतरा क्यों रहे हैं क्या उन्होंने खुद इतने बड़े मतांतर से जीत दर्ज की है कि जो पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं की। या फिर उन्होंने जो अबकी बार 400 पार का नारा दिया था उससे भी कहीं अधिक सीटें जीतकर दिखा दी हैं। या फिर उन्होंने इस बार भाजपा 370 का जो नारा दिया था वह सच साबित हुआ है। उनके पांच-पांच मंत्रियों को इस चुनाव में हार का सामना उस यूपी में करना पड़ा है जिससे होकर दिल्ली दरबार का रास्ता जाने की बात कही जाती है। उत्तर प्रदेश की जिस 80 सीटों में से 80 जीतने का वह दावा कर रहे थे वहां उन्हें आधी सीटें भी नहीं मिल सकी हैं। उनकी भाजपा को इस चुनाव में जनता ने उस काबिल भी नहीं छोड़ा है कि वह अपने बूते अपनी सरकार बना पाए। वह बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटों के आंकड़े से लगभग 35 सीटें पीछे हैं। यह ठीक है कि जो जीता वही सिकंदर कहलाता है भाजपा को एक राजनीतिक दल के रूप में सबसे अधिक सीटें मिली है और अपने गठबंधन के सहयोगियों से वह बहुमत के अंक से 20 के अधिक आसपास अधिक सीटों के साथ सरकार बनाने की स्थिति प्राप्त करने में सफल हो चुके हैं। लेकिन हम इस जीत को जनता की जीत बता रहे हैं। क्योंकि इस बार देश की जनता ने एक ऐसा जनादेश दिया है जिसमें सत्ता में बैठा कोई भी दल व नेता तानाशाही नहीं कर सकता है। संविधान और लोकतंत्र के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकता और अगर करेगा भी तो उसे रोकने की ताकत उसके सहयोगी दलों और विपक्ष के पास निहित होगी वह उसे मनमानी नहीं करने देंगे। उनके पास सरकार को गिराने की ताकत भी होगी और बिना चुनाव देशभर में नई सरकार बनाने की क्षमता भी होगी। इस चुनाव की सबसे बड़ी उपलब्धि अगर कुछ है तो यह है कि 10 साल तक केंद्रीय सत्ता में बैठी जिस सरकार का मंसूबा यह था कि वह संसद को विपक्ष विहीन बनाने का मंसूबा पाले बैठा था जनता ने उसके उन मंसूबों पर पानी फेर दिया है और जनता ने एक मजबूत विपक्ष को संसद में बैठा दिया है जो लोकतंत्र के जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन की तरह महत्वपूर्ण है। इसलिए हम कह रहे हैं कि यह मोदी या भाजपा की जीत नहीं लोकतंत्र और संविधान की जीत है। 2024 के चुनाव के बाद भाजपा जिन दो सहयोगी दलों के सहारे सरकार बनाने जा रही है वह नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू है। जिनके पास अब एक के 15 व दूसरे के पास 16 सीटें हैं। और एनडीए सरकार से इन 31 सीटों के कम होने का मतलब होता है सरकार का अस्तित्व समाप्त। क्योंकि एनडीए के पास बहुमत से सिर्फ 20-21 सीटें ही अधिक है। इस जीत को हम जनता की जीत इसलिए भी बता रहे हैं कि क्योंकि जनता ने भाजपा के उन घमंडी नेताओं के घमंड को चूर-चूर कर दिया है जो यह माने बैठे थे कि उन्हें अब कोई हरा नहीं सकता और सत्ता से हटा नहीं सकता है। भाजपा के नेता जो कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते थे उन्हें अपने इन विचारों और सोच पर फिर से मंथन करने की जरूरत है और वह लाख प्रयासों के बाद भी लोकतंत्र मुक्त नहीं कर सकते हैं। और न संसद को विपक्ष मुक्त बना सकते हैं। भाजपा से भी कहीं बड़ी-बड़ी जीत कांग्रेस के हिस्से में है। इसलिए समूचे विपक्ष को दर्शक दीर्घा में बैठा देने की बातें करना शोभनीय नहीं कहा जा सकता है। मोदी के दो युवराजों ने इस चुनाव में यह बात अच्छे से समझा दी है।

राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी ने किया वृक्षारोपण

देहरादून (सं)। पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संगठन ने मणीमाई मन्दिर के पास वृक्षारोपण किया। आज पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संगठन द्वारा देहरादून ऋषिकेश हाईवे पर मणीमई मंदिर के पास वृक्षारोपण किया गया। संगठन द्वारा 50 पौधे रोपित किये गये और संकल्प लिया की संगठन द्वारा जितने भी पौधे लगाए गये हैं। उनका संरक्षण संगठन के द्वारा किया जायेगा। संगठन् की राष्ट्रीय महामंत्री (महिला प्रकोष्ठ) पूजा सिंह ने कहा की यदि जीवन बचाना है तो हर व्यक्ति को पेड़ लगाने होंगे। जीवन के लिए पहली प्राथमिकता ऑक्सीजन है। अगर पेड़ ही नही होंगे तो ऑक्सीजन कैसे मिल पायेगा। गर्मी अपने चरम पर है। यदि पेड़ कटते रहे और वृक्षारोपण नही किया गया तो भविष्य मे स्थिति अत्यंत भयवाह हो जाएगी। कार्यक्रम मे नीलम शर्मा, विनोद कुमार, मुकेश रावत, गौरव जैन, सुमन सकलानी, विपिन कोठियाल आदि उपस्थित रहे।

पयस्वतीरोषधयः पयस्वन्मामकं वचः।
अपां पयस्वदित्पयस्तेन मा सह शुन्धत॥
(ऋग्वेद १०-१७-१४)

औषधियां, वनस्पति और जल से जीवन के माधुर्य का सोमरस प्राप्त होता है। यह हमारे शरीर की रोग-रोधक क्षमता में वृद्धि करता है। वाणी में मधुरता भरता है। हमारा जीवन वानस्पतिक भोजन और शुद्ध जल के सोम से भरा हो। जिससे हम ऊर्जावान और पवित्र हों।

पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की दिलायी शपथ

संवाददाता

देहरादून। वृक्षाबंधन अभियान के मनोज ध्यानी ने वरिष्ठ नागरिकों को पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जिम्मेदारी का अहसास दिलाते हुए शपथ दिलायी।

आज यहां पर वृक्षाबंधन अभियान के मनोज ध्यानी द्वारा वरिष्ठ नागरिको को पर्यावरण संरक्षण हेतु जिम्मेदारी का अहसास दिलाते हुए शपथ भी दिलाई गयी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण पृथ्वी, जलवायु,पेड़ पौधे सृष्टि का स्वरुप है तथा जिंदगी की रचना भी इन्ही पांच तत्वों से हुई है। पर्यावरण दिवस पर मार्निंग वाक पर गाधी पार्क को निकले दून के वरिष्ठ नागरिको ने पर्यावरण विनाश पर दुख व्यक्त किया। इनका कहना था की विकास के नाम पर शहरो मे उगते कंक्रीट के जंगलो और लगातार कटते जा रहे पेड़ो पर अब रोक लगानी ही होगी। इनका विचार था की तेजी से फैलते जल, वायु, ध्वनि प्रदूषण दून वासियो के स्वास्थ्य को खतरे मे डाल रहे है।

गांधी पार्क को पीपीपी मोड मे दिये जाने के नगर निगम के प्रस्ताव पर भी आपत्ति व्यक्त करते हुए इसके निजीकरण के विरोध के सुर भी महसूस किये गये। संयुक्त नागरिक संगठन के अध्यक्ष ब्रिगेडियर केजी बहल का कहना था की वृक्षारोपण के बाद लगाये गये पौधो को विकसित होने तक देखभाल कर फलने फूलने की जिम्मेदारी लिये बिना हरेला महोत्सव का महत्व नही है। इस दौरान गांधीपार्क मे लगातार पौधारोपण कर इनको रोजाना पानी से सिंचित करने मे जुटे विरेंद्र कुमार को शाल उड़ाकर सम्मानित भी किया गया।

शपथ लेने वालो मे अवधेश शर्मा, पीयूष भटनागर, ईरा चौहान, सुमन सिंह बल्दिया, चौधरी ओमवीर सिंह,कर्नल बीएम थापा, कुल बहादुर कार्की, पदमजंग, डा. गार्गी धुनता, नवीन सडाना, कैप्टन वाईबी थापा,अशोक बल्लभ शर्मा,मैहर बंसल, आइबी गुरुंग, ताराचंद गुप्ता, हरजीत सिंह संधू, प्रदीप कुकरेती, डा. अनिल जग्गी, दिनेश भंडारी, यज्ञ भूषण शर्मा, जीएस जस्सल, आशा नौटियाल, अर्पणा भंडारी, रोशन राणा, हरीश गुरुंग, तारा पांडे, डीके बोरा, डीबी खत्री, कौशल भाटिया, जितेंद्र अन्थवाल, रमेश नरूला, नरेश चंडोक, सुशील त्यागी, चौधरी चंद्रपाल सिंह आदि शामिल थे।

गांधी पार्क में सही देखभाल ना होने पर सूख रहे हैं पेडः राणा

संवाददाता

देहरादून। श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने कहा कि गांधी पार्क में सही देखभाल के अभाव के चलते कई पेड सूखते जा रहे हैं।

आज यहां विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में जहां हर छोटी बड़ी संस्थाएं और आम जन पेड़ लगाने और पेड़ बचाने की किवायद में जोर शोर से लगे हुए हैं, उसी के विपरीत शासन प्रशासन का इस पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया कि आज पर्यावरण दिवस पर बहुत सी संस्थाएं पर्यावरण पर मंथन करने और खलंगा फोरेस्ट में काटे जाने वाले पेड़ों के विरोध में गांधी पार्क में विभिन्न संस्थाये एकत्रित हुई , जहां हमने देखा की गांधी पार्क और परेड ग्राउंड में बहुत से पेड़ सही देखभाल न होने की वजह से सुख रहे हैं, हद तो तब हो गई जब ओपन जिम के सामने दो पेड़ों पर एक्सरसाइज करने के लिए लोहे के क्लैंप मोटी मोटी किलो द्वारा ठोक दिए गए, जिससे वह बहुत जल्दी सूखकर टूट जाएंगे इसका जिम्मेदार कौन होगा, स्मार्ट सिटी के नाम पर देहरादून को और कितना खोखला किया जाएगा। इस मौके पर अन्य समितियों के साथ श्री महाकाल सेवा समिति के सदस्य हेमराज अरोड़ा, डॉ नितिन अग्रवाल, बालकिशन शर्मा, संजीव गुप्ता, आयुष जैन, गौरव जैन, राहुल माटा उपस्थित रहे।

सांसदों द्वारा रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को भी सम्मानित किया जाएःचोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि लोकसभा चुनाव जीतकर आये सांसदों द्वारा रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को भी सम्मानित किया जाये।

आज यहां लोकसभा चुनाव के दौरान लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी के पांचो प्रत्याशी को फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों की ओर से अपने खुले समर्थन की घोषणा की गई थी अब भारतीय जनता पार्टी के पांचो प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित परिणाम घोषित हो जाने के उपरांत प्रेस क्लब हरिद्वार में लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष, पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा अपने साथियों सहित पत्रकार वार्ता आयोजित कर भारतीय जनता पार्टी के विजय हुए लोकसभा के पांचो सांसद अजय भट्ट, त्रिवेंद्र सिंह रावत, अनिल बलूनी, अजय टम्टा, माला राज्यलक्ष्मी शाह से संयुक्त रूप से मांग करते हुए कहा उत्तराखंड राज्य में रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को अपना संरक्षण देकर राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के क्रियान्वन के लिए अपने स्तर पर उचित योजनाएं बनाकर फुटपाथ के कारोबारी लघु व्यापारियों को स्वरोजगार दिलाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत करने वाले पांचो सांसदों से अपेक्षा है के अपने संरक्षण में रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को नियम अनुसार स्वरोजगार के संसाधन उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा शासन प्रशासन द्वारा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली की अपेक्षा के कारण अतिक्रमण के नाम पर रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों का शोषण व उत्पीड़न किया जाता है जोकि अन्याय पूर्ण है।

पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष राजकुमार, मनोज कुमार मंडल, सुनील कुकरेती, लालचंद गुप्ता, भोले शंकर यादव, पंडित मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, तस्लीम अहमद, विजय गुप्ता, जय सिंह बिष्ट आदि शामिल रहे।

नए भारत की साहसिक पहल

डॉ. सुरेन्द्र कु. मिश्र

अमेरिका द्वारा भारत-ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह परियोजना के संबंध में हुई डील को नया बताकर अपनी नराजगी व्यक्त की गई।

इसके साथ ही भारत-ईरान के बीच 1० साल के इस अनुबंध पर अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है क्योंकि वह इसे नए दृष्टिकोण से देख रहा है अमेरिका को इस बात का गंभीरता से भी विचार करना होगा कि दबाव, दमन, दहशत व दादागिरी की नीति हमेशा नहीं चलती है। प्रत्येक देश अपने भू आर्थिक, भू-राजनीतिक तथा भू-सामरिक हितों को ध्यान में रखकर कार्य करता है जैसा कि भारत ने ईरान के साथ इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। भारत चाबहार बंदरगाह को पाकिस्तान में चीन द्वारा निर्मित बंदरगाह के काउंटर के रूप में देखता है।

भारत और ईरान के चाबहार बंदरगाह के संगठन और उनके अनुबंध के लिए और मेगा कनेक्टिविटी योजनाओं के माध्यम से परियोजनाओं के अगले चरण के विकसित करने के लिए यह समझौता हुआ है। भारत इसे अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के साथ एकीकृत करने की योजना बना रहा है, ताकि ईरान के माध्यम से भारत से रूस तक एक निर्बाध व्यापारिक मार्ग तैयार किया जा सके। भारत एक संयुक्त देश है और यह अनुबंध भारत और ईरान दोनों देशों के लिए बेहद एक सामयिक, सामरिक एवं संवेदनशील विशेष समझौता है कि मध्य एशिया और उससे आगे तक पहुंच आसान हो जाएगी। यह चीन द्वारा पाकिस्तान के ग्वादर में बनाई जा रही अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का एक करारा जवाब भी है।

ओमान की खाड़ी पर दक्षिणी पूर्वी ईरान में स्थित चाबहार एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह है। यह ईरान के एकमात्र समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता है और इसमें 'शाहिद कलंतरी' 'शाहिद बेहिश्ती' नामक दो अलग-अलग बंदरगाह शामिल हैं। यह बंदरगाह भारत को अरब सागर में चीन की उपस्थिति को नजरअंदाज करने में सक्रिय सहयोग देता है। अपनी भौगोलिक अवस्थिति, आर्थिक व व्यापारिक तथा सामरिक कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत के लिए एक विशेष महत्त्व का क्षेत्र है। यही कारण है कि इस बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) के रूप में भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि यह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अजरबैजान, अर्मेनिया, रूस के साथ ही मध्य एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार हेतु 72०० किलोमीटर की बहुउद्देश्यीय परिवहन परियोजना भी है। भारत अल्पकालिक समझौते पर इस बंदरगाह का संचालन कर रहा था, जिसे समय-समय पर नवीनीकृत करना पड़ता था। जब चाबहार में निवेश की बात आई तो अल्पकालिक समझौते और ईरान के भू-राजनीतिक तनाव ने शिपर्स और निवेशकों को इससे दूर रखा था। इसके कारण एक बार तो ईरान इस समझौते में प्रगति न होने के कारण अपने कदम चीन की ओर बढ़ाने की मंशा बना ली थी। वास्तव में इस योजना को क्रियान्वित करने की चीन की क्षमता एवं संपन्नता भी थी।

भारत के इस समझौते के बाद अमेरिका ने प्रतिबंध की चेतावनी को 'प्रतिबंधों का संभावित जोखिम' की बात कहकर अपने रुख में परिवर्तन का संकेत दिया है। आखिरकार भारत ने अपने रणनीतिक एवं आर्थिक महत्त्व चाबहार बंदरगाह को दस वर्ष के लिए विकसित और संचालित करने के लिए ईरान के साथ 13 मई को इस समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। वास्तव में यह एक नए भारत की साहसिक पहल है जो किसी भी प्रतिबंध की अब परवाह नहीं करता, विशेष रूप से भू-आर्थिक, भू-सामरिक एवं भू-राजनीतिक पहल के मामलों में। आखिर द्वंद्व कहां तक टाला जाए, भारत समझ गया है कि समय पर सामरिक व आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर जरूरी हो गए, जिसे जरूरत पडने़ पर जवाब देना भी जेहन में रखना होगा। यह बात अमेरिका को समझनी होगी कि यह समझौता कोई 'नया' नहीं है, यह तो केवल विगत रूप में संचालित हो रहे कार्यक्रम की निरंतरता है। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी को देखते हुए भारत की चाबहार की ओर पहल एक महत्त्वपूर्ण सामयिक एवं सामरिक आवश्यकता बन गई थी।

स्मरणीय है कि अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप ने वर्ष 2०18 में भारत, चीन तथा तुर्की को ईरान प्रतिबंधों से छूट दी थी, जबकि वाशिंगटन ओमान की खाड़ी के बंदरगाह पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा था1 चूंकि यह युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में उसकी उपस्थिति के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण था। वास्तव में अगर अमेरिका इसे एक नए समझौते के रूप में देखता है तो यह उसकी भारी-भूल होगी, क्योंकि मई 2०16 में मूल रूप से हस्ताक्षर करने के बाद से इस पर बहुत काम हुआ है। भारत चाबहार बंदरगाह में बेहिश्ती टर्मिनल को विकसित करने के लिए भारी-भरकम निवेश कर चुका है। यह बात भी विशेष ध्यान देने योग्य है कि भारत पहले ही अमेरिका के दबाव के कारण फारस की खाड़ी में फरजाद-बी गैस क्षेत्र खो चुका है, जो वास्तव में भारत के लिए एक विशेष आकषर्क तथा आर्थिक व रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण परियोजना थी। अत॒ भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल का प्रबंधन अब अपने हाथ में लेने की अवहेलना कदापि नहीं कर सकता है। यदि भारत किसी कारणवश अमेरिकी प्रतिबंध के दबाव में आ जाता तो खाड़ी क्षेत्र में अपना आर्थिक आधार एवं रणनीतिक प्रभाव खो देता। यह भी जानना जरूरी है कि अमेरिका द्वारा पहले दी गई प्रतिबंधों की छूट के बाद भारत और ईरान स्वतंत्रता और प्रति-प्रसार अधिनियम 2०12 के तहत वाशिंगटन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को मात देने की अनुमति प्रदान की थी। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, तुर्की, ग्रीस तथा इटली आदि को अस्थायी छूट प्रदान की गई थी। इसके साथ ही इन सभी देशों को फारस की खाड़ी देश के साथ व्यापार करने की अनुमति दी गई थी। इस समझौते में भारत ने अपना दृढ़ विश्वास स्पष्ट रूप से दिखाया जो कि सामयिक व सामरिक रूप से बेहद अनिवार्य था। भौतिकता एवं आर्थिक होड़ की दौड़ में कोई भी देश, किसी भी देश का स्थायी मित्र या शत्रु नहीं रह सकता। प्रत्येक राष्ट्र की सभी नीतियों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति होती है।

इंडक्शन चूल्हे को आसानी से साफ करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आजकल इंडक्शन चूल्हा काफी चलन में है क्योंकि इसकी मदद से खाना पकाने में काफी कम समय लगता है। हालांकि जब बात इसकी सफाई की आती है तो कई लोगों को मुश्किल होती है क्योंकि यह एक बिजली से चलने वाला उपकरण है और गलत तरीके से सफाई से यह खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें आजमाकर आप इंडक्शन चूल्हे को मिनटों में सुरक्षित तरीके से साफकर सकते हैं।

सफाई करते समय जरूर बरतें ये सावधानियां

इंडक्शन चूल्हे की सफाई से पहले इसका प्लग स्विच बोर्ड से निकाल दें ताकि किसी तरह के नुकसान से बचा जा सकें। इसके अलावा सफाई की प्रक्रिया शुरू करने से पहले इंडक्शन की प्लेट को थोड़ा ठंडा होने दें क्योंकि गर्म प्लेट पर रसायनों का इस्तेमाल करने से इंडक्शन खराब हो सकता है। इसी के साथ इंडक्शन पर कुछ भी रखने से पहले इसकी प्लेट को पोंछ लें।

सफेद सिरके का इस्तेमाल करें

इंडक्शन चूल्हे को आसानी से साफ करने के लिए सफेद सिरके का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए पहले एक नरम कपड़े से सभी गंदे धब्बों को पोंछें। अब खाने के दाग-धब्बों को साफ करने के लिए सफेद सिरके में एक कपड़ा डुबोएं और इसे इंडक्शन चूल्हे पर हल्के हाथ से रगड़ें। इसके बाद एक नरम और सूखे कपड़े से इंडक्शन चूल्हे को पोंछे। इससे सारे दाग-धब्बे साफहो जाएंगे और इंडक्शन चूल्हा भी खराब नहीं होगा।

बेकिंग सोडा और साबुन का पानी भी है कारगर

इस तरीके से भी इंडक्शन चूल्हे को आसानी से साफकिया जा सकता है। इसके लिए एक मुलायम कपड़े को साबुन के गर्म पानी में कुछ देर के लिए भिगोएं। इस बीच इंडक्शन चूल्हे की सतह पर बेकिंग सोडा की अच्छी-खासी मात्रा छिड़ककर उसे 1०-15 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद इंडक्शन चूल्हे पर साबुन के पानी में भिगोए हुए कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद साफ कपड़े से इंडक्शन चूल्हे को पोंछे।

टूथपेस्ट भी है असरदार

टूथपेस्ट का इस्तेमाल सिर्फ दांतों की सफाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे इंडक्शन चूल्हे को भी साफ किया जा सकता है। इसके लिए टूथपेस्ट को हल्के हाथों से पूरे इंडक्शन चूल्हे पर फैलाएं। अब इस पर पानी की थोड़ी बूंदें छिड़कें और एक नरम पैड या कपड़े की मदद से इसे हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद इंडक्शन चूल्हे को एक साफऔर मुलायम कपड़े से पोंछ लें।

बेकिंग सोडा और सिरका भी करेगा मदद

इंडक्शन चूल्हे की सफाई के लिए एक स्प्रे बोतल में सिरका और पानी की बराबर मात्रा मिलाएं और फिर इसका इंडक्शन चूल्हे पर छिड़काव करें। छिड़काव के बाद इंडक्शन पर बेकिंग सोडा के पाउडर को एक सॉफ्ट ब्रश से फैलाकर 15 से 2० मिनट के लिए छोड़ दें। अब एक मुलायम कपड़े से इंडक्शन को पोंछ लें। इसके अलावा आप चाहें तो इंडक्शन की सफाई के लिए नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

पुराने टूथब्रश को सफाई के लिए करें इस्तेमाल

घर में ऐसी कई चीजें मौजूद होती हैं जिनका इस्तेमाल एक निश्चित समय तक ही किया जा सकता है और इसके बाद वह खराब हो जाती हैं। इन चीजों में से एक है टूथब्रश जो अगर खराब या फिर पुराना हो जाता है तो उसे फेंकने के अलावा और कोई विकल्प नहीं सूझता है। हालांकि अगर आप चाहें तो ऐसे टूथब्रश को फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल कुछ चीजों की सफाई के लिए कर सकते हैं।

कंघी को करें साफ

लगातार इस्तेमाल के कारण कंघी में गंदगी जमा होने लगती है जिसे साफ करने के लिए कई लोगों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। हालांकि आप चाहें तो अपने पुराने टूथब्रश से इस काम को मिनटों में कर सकते हैं। इसके पहले एक कटोरी में डिटर्जेंट पाउडर और हल्के गर्म पानी का घोल बनाएं, फिर कंघी को इसमें भिगोएं। अब टूथब्रश से कंघी को रगड़ें। इसके बाद साफ पानी से कंघी को धोएं और फिर सुखाकर इसका इस्तेमाल करें।

ज्वैलरी को चमकाने में करें मदद

अगर आपको अपनी किसी भी तरह की ज्वैलरी को चमकाना है तो इसके लिए भी आप पुराने टूथब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले एक कप हल्के गर्म पानी में थोड़ा सा शैंपू अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें पुराने टूथब्रश को भिगोकर इसे अपनी ज्वैलरी पर हल्के हाथों से रगड़ें। जब ज्वैलरी पूरी तरह से साफ हो जाएं, तब इसे पानी से धो कर साफ कर लें और फिर सूखे कपड़े से पोंछकर सुखा लें।

जूतों को करें साफ

अक्सर जूतों पर मिट्टी लग जाती है और यह सोल में फंस जाती है जिसे आसानी से निकालने के लिए आप पुराने टूथब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा जूतों की ऊपरी सतह से धूल-मिट्टी हटाने के लिए भी टूथब्रश का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी के साथ जूतों को धोते समय इन्हें रगड़ने के लिए भी टूथब्रश का इस्तेमाल किया जा सकता है। यकीनन इसके बाद आपके जूते एकदम नए जैसे दिखेंगे।

घर की टाइल्स और की-बोर्ड को करें साफ

घर की टाइल्स पर जमी गंदगी को साफ करने के लिए भी पुराने टूथब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले टाइल्स पर डिशवॉशिंग लिक्विड पानी में मिलाकर डालें और फिर टाइल्स पर पुराना टूथब्रश रगड़ें। इसके बाद पानी से टाइल्स को धोकर साफ करें। इसके अलावा आप चाहें तो अपने की-बोर्ड को साफ करने के लिए भी टूथब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। यकीन मानिए इससे की-बोर्ड की बारीकी से सफाई हो सकती है।

सोना के पहली पसंद बनने के मायने

डॉ अश्विनी

पहले विश्व युद्ध के बाद से दुनिया में डॉलर का महत्व बढ़ता रहा है। जब अमेरिका के सहयोगी देश सामान के बदले सोना देने लगे, तो अमेरिका अधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बन गया। युद्ध के बाद अनेकों देशों ने अपनी मुद्राओं को डॉलर के साथ जोड़ा और गोल्ड स्टैंडर्ड समाप्त हो गया तथा डॉलर दुनिया की सबसे पसंदीदा करेंसी बन गया। सभी देशों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार को डॉलर में रखना शुरू कर दिया, जिससे 1999 तक दुनिया के कुल विदेशी मुद्रा भंडारों में डॉलर का हिस्सा 71 प्रतिशत तक बढ़ गया। उस साल यूरोप में साझा करेंसी यूरो का प्रादुर्भाव हुआ और अधिकतर यूरोपीय देशों ने डॉलर के बदले यूरो रखना शुरू कर दिया। इससे रिजर्व करेंसी में डॉलर का हिस्सा घटने लगा और 2021 तक यह 59 प्रतिशत रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार डॉलर का वैश्विक रिजर्व करेंसी के रूप में हिस्सा 2023 में 58.41 प्रतिशत था। महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे डॉलर का महत्व घटता रहा हो, लेकिन वह अभी भी दुनिया की सबसे पसंदीदा करेंसी है। यूरो का हिस्सा अभी भी 20 प्रतिशत के आसपास ही है। अधिकांश अंतरराष्ट्रीय लेन-देन डॉलर में ही होते हैं। इस कारण से डॉलर लंबे समय से कभी भी खास कमजोर नहीं हुआ। भारतीय रुपये के संदर्भ में देखें, तो 1964 में जहां एक डॉलर 4.66 रुपये के बराबर था, वह अब 83. 4 रुपये तक पहुंच चुका है।

पिछले कुछ समय से भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में रुपये की भूमिका बढ़ाने का प्रयास लगातार हो रहा है। लगभग 20 देशों के साथ इस बाबत सहमति बनी है। उधर अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल और खास तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के चलते लेन-देन में कठिनाई के कारण दूसरे देशों में भी स्थानीय करेंसियों में भुगतान के प्रयास तेज हो गये हैं। डॉलर के प्रति विमुखता इसलिए भी बढ़ी है कि अमेरिका ने रूस को आक्रमणकारी बताते हुए उसके तमाम डॉलर रिजर्व को जब्त कर लिया है। इससे दूसरे मुल्कों में यह भय व्याप्त हो गया है कि देर-सबेर अमेरिका उनके साथ भी ऐसा कर सकता है। तब उन मुल्कों के सामने भी रूस जैसी भुगतान की समस्या आ सकती है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अप्रैल के पहले सप्ताह तक 648. 6 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। लेकिन इस बीच एक महत्वपूर्ण बात यह दिखी कि इस भंडार में सोने का हिस्सा 55.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें एक सप्ताह में ही 1.24 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। बताया जा रहा है कि एक ही सप्ताह में सोने के भंडार में छह टन की वृद्धि हुई। पिछले साल की तुलना में भारत का स्वर्ण भंडार 13 टन ज्यादा है। दुनिया में आधिकारिक स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का स्थान नौवां है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में जहां विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों और अन्य संस्थाओं द्वारा 450.1 टन सोने की खरीद की गयी, जो 2022 में 1135. 7 टन हो गयी। वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंकों ने 1037 टन सोने की खरीद की। गौरतलब है कि गहनों के रूप में सोने की मांग पहले के मुकाबले घटती जा रही है, जबकि निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ रही है। पिछले सालों में केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में अभूतपूर्व वृद्धि ने दुनिया में सोने की मांग बढ़ा दी है। पिछले दो-तीन वर्षों में सोने की कीमत में भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 में सोने की औसत कीमत 1268, 93 डॉलर प्रति औंस थी, जो 2024 में अब तक 2126. 82 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच चुकी है, यानी मात्र छह वर्षों से भी कम समय में सोने की कीमत में 67.6 प्रतिशत (लगभग 9. 5 प्रतिशत वार्षिक) वृद्धि हुई है। वर्ष 1988 में सोने की कीमत 437 डॉलर प्रति औंस थी, जो 2018 तक बढ़कर 1268, 93 तक पहुंची थी, यानी 30 सालों में 3.61 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि। पहला कारण यह है कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक- फेडरल रिजर्व- द्वारा ब्याज दर, जिसे फेड रेट भी कहते हैं, के घटने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ब्याज दरें कम होने पर लोग वित्तीय परिसंपत्तियों के बजाय सोना खरीदने की ओर आकर्षित होंगे। ऐसे में यदि ब्याज दर गिरती है, तो सोने की मांग बढ़ेगी। दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि चीन समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अब ज्यादा से ज्यादा सोना खरीद रहे हैं। इस प्रवृत्ति के थमने की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है। तीसरा, दुनियाभर में सोने की कीमतों में वृद्धि की अपेक्षा की जा रही है। ऐसे में केंद्रीय बैंकों द्वारा ज्यादा सोना खरीदने की संभावनाएं और भी बढ़ रही हैं क्योंकि यदि केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की मात्रा बढ़ाते हैं, तो बढ़ती सोने की कीमतों के साथ उनके विदेशी मुद्रा भंडार स्वयमेव बढ़ जायेंगे। सोने की यह बढ़ती मांग कई सवाल खड़े करती है, जिसमें सबसे अहम सवाल यह है कि क्या अब डॉलर का वर्चस्व समाप्त हो रहा है। एक अन्य सवाल यह है कि क्या सोने का महत्व अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में भी बढ़ने वाला है। ऐसा होता है या नहीं, यह तो भविष्य के गर्भ में छुपा है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि विश्व वि-डॉलरीकरण की ओर बढ़ रहा है तथा उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ कई देश अपने विदेशी व्यापार को अपनी घरेलू मुद्राओं में निपटाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में डॉलर के विकल्प में सर्वाधिक प्राथमिकता सोने को दी जा सकती है। दुनिया के कई देश अमेरिका द्वारा उनके विदेशी भंडारों के जब्त किये जाने के अंदेशे से भी आशंकित हैं क्योंकि रूस के साथ अमेरिका ऐसा कर चुका है। भारत और चीन सहित दुनिया में सोने की मांग बढ़ने का यह भी एक मुख्य कारण बन रहा है। *(ये लेखक के निजी विचार हैं)*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

वेट ही नहीं हार्ट हेल्थ का रिस्क भी घटाती हैं वजन कम करने वाली दवाईयां!

क्या आप भी वजन कम करने के लिए दवाईयां लेते हैं। अगर हां तो ये खबर आपके लिए ही है। क्योंकि एक नई रिपोर्ट में पता चला है कि ऐसे लोग जो मोटापा और वजन कम करने के लिए दवाएं खाते हैं, उससे उनकी सेहत को ज्यादा फायदे हो सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भले ही वजन इंच भर भी कम न हो लेकिन इन दवाईयों से सेहत को कई दूसरे लाभ मिल जाते हैं। ओजेम्पिक जैसे वजन घटाने वाले इंजेक्शन दिल की सेहत के लिए जबरदस्त हो सकते हैं। ये दवाईयां मोटापे की चपेट में रहने वाले लोगों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम कर सकती हैं। शोधकर्ता ने इन दवाईयों पर बड़े स्तर पर अध्ययन किया है।

क्या है खोज

सेमाग्लूटाइड यानी वजन घटाने वाली दवाएं जैसे- वेगोवी, ओजेम्पिक और रायबेल्सस का मोटे लोगों की हार्ट पर क्या असर होता है। इसी पर स्टडी करते हुए शोधकर्ताओं ने 41 देशों के 17,600 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स के डेटा का 5 साल तक एनालिसिस और टेस्ट किया। इसका जो रिजल्ट आया वो हैरान कर देने वाला था। इसमें पाया गया कि सेमाग्लूटाइड प्रभावी तरह से वजन कम करने को बढ़ावा देकर हार्ट अटैक, स्ट्रोक या हार्ट फेलियर का रिस्क कम किया है। इससे पता चलता है कि इन दवाईयों से वेट मैनेज ही नहीं कई बेनिफिट्स मिल सकते हैं।

गेम चेंजर हैं वजन घटाने वाली दवाईयां

शोधकर्ता ने बताया कि उनका टेस्ट शानदार और गेमचेंजर है। उन्होंने बताया कि जब 1990 के दशक में स्टैटिन आए, तो पता चला कि दवाईयों का एक ग्रुप था, जो इस बीमारी की बॉयोलॉजी को ही बदल देगा, जो कार्डियोलॉजी प्रैक्टिस को बदलने के लिए बड़ी सफलता थी। ईसीओ में पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के प्रोफेसर डोना रयान के सेलेक्ट ट्रायल पर बेस्ड एक और रिसर्च की, जो डाइबिटीज के बिना मोटापे से परेशान लोगों में वजन कम करने के लिए सेमाग्लूटाइड के तत्काल प्रभाव पर फोकस है।

क्या रहा परिणाम

इस रिसर्च का रिजल्ट काफी अच्छा रहा है। इसे लेकर प्रोफेसर रयान ने बताया कि सेमाग्लूटाइड 4 साल तक वेट लॉस में मदद कर सकता है। सेमाग्लूटाइड लेने वालों ने अपने शरीर का वजन का 10.2 परसेंट और अपनी कमर से 7.7 सेमी तक कम किया। वहीं, प्लेसीबो ग्रुप में 1.5 प्रतिशत और 1.3 सेमी कम करने में मदद मिली।

शरवरी वाघ की हॉरर-कॉमेडी मुंज्या 7 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक फिल्म

शरवरी वाघ को पिछली बार फिल्म बंटी और बबली 2 में देखा गया था, जो 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।अब 4 साल के लंबे अंतराल के बाद शरवरी सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने को तैयार हैंइन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म मुंज्या को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर सामने आ गया है। इसमें हॉरर के साथ कॉमेडी का तगड़ा लगा हैस्त्री और भेड़िया के बाद यह निर्देशक दिनेश विजान की तीसरी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

मुंजया के ट्रेलर की बात करें तो एक जगह है चेतुकवाड़ी जो श्रापित है वहां पर एक पेड़ भी श्रापित है। जिसके नीचे मुंजया रहते हैं। कहते है कि वह किसी मुन्नी से शादी करना चाहता था, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। उसी दिन से मुंजया अपनी वंशज के इंतजार में मुक्त होने के लिए इंतजार कर रहा है और अपनी आखिरी इच्छा पूरी करना चाहता है। मुंजया की इच्छा पूरी न होने के कारण वह ऑब्सेसिव लवर बन चुका है।

बहुत पुराने से पेड़ के अंदर एक छुपे भूत जो अपने वंशज का इंतजार कर रहा है और इंतजार में कई सालों से भटक रहा है। आखिरकार उसे अपना वंशज मिल जाता है। इसके बाद कॉमेडी और हॉरर की कहानी शुरू होती है। इस फिल्म का ट्रेलर खौफनाक के साथ कॉमेडी का तड़का भी लगता है। इसके साथ ही बता दे की कंप्यूटर जनरेटर इमेज के जरिए इसके हीरो और विलन मुंजया को बनाया गया है।

मुंज्या में अभय वर्मा, मोना सिंह और एस सत्यराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, जिनकी झलक ट्रेलर में साफ दिख रही हैनिर्माताओं ने लिखा, मुन्नी के लिए मुंज्या जान दे भी सकता है और ले भी सकता हैइस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। दिनेश विजान और अमर कौशिक इस फिल्म के निर्माता हैं। योगेश चांदेकर ने इसकी कहानी लिखी हैयह फिल्म 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

शब्द सामर्थ्य -101

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

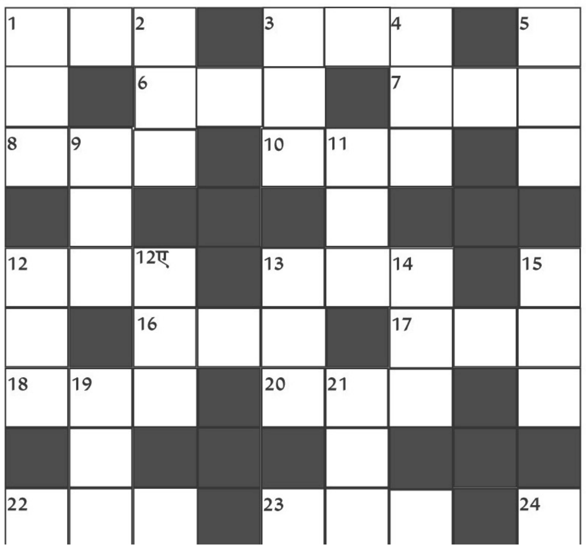

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
ड़		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

माफिया डॉन की भूमिका में दिखे दिग्गज अभिनेता अजित

दक्षिण भारतीय अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' के निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टर के साथ एक बड़ी घोषणा की है। अभिनेता की फिल्म अगले साल पोंगल पर रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग शुरू होने के लंबे समय के बाद निर्माताओं द्वारा कोई आधिकारिक घोषणा की गई है। इस घोषणा से पहले ही प्रोडक्शन ने अजित के प्रशंसकों को सूचित कर दिया था कि फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आएगी। 'माइथ्री प्रोडक्शंस' ने अपने सोशल मीडिया पर 'गुड बैड अग्ली' फिल्म से अभिनेता अजित का अनोखा लुक जारी किया है। पोस्टर में अजित के तीन लुक दिख रहे हैं। अजित के लुक को देखकर लग रहा है कि वह किसी माफिया का किरदार फिल्म में निभा रहे हैं। उनके सामने टेबल पर बहुत सारी बंदूकें रखी हैं। प्रशंसक अभिनेता के इस लुक को देखकर अंदाजा लगा रहे हैं कि यह एक अपराध कॉमेडी फिल्म हो सकती है। फिल्म के पोस्टर को देखकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में अजित कुमार ट्रिपल भूमिका में नजर आ सकते हैं। बता दें कि 2006 की ब्लॉकबस्टर 'वरलारु' के बाद यह अजित कुमार की दूसरी ट्रिपल भूमिका वाली फिल्म होगी। गुड बैड अग्ली की बात करें तो निर्माताओं ने एक विश्वसनीय तकनीकी टीम के साथ इसपर काम किया है। संगीत 'रॉकस्टार' ने दिया है। अभिनंदन रामानुजम फोटोग्राफी निर्देशक के रूप में फिल्म से जुड़े हैं। 'पोंगल' को तमिलनाडु में फिल्म रिलीज के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चर्चा है कि शंकर द्वारा निर्देशित कमल हासन अभिनीत फिल्म 'इंडियन 3' भी पोंगल के आस-पास ही रिलीज हो सकती है। वहीं, राम चरण की 'गेम चेंजर' अगले साल जनवरी में रिलीज होने की उम्मीद है। अभिनेता अजित के आगामी कार्यों की बात करें तो वह 'गुड बैड अग्ली' के साथ-साथ 'विदा मुयार्ची' पर भी काम कर रहे हैं। पिछले दशक में यह पहली बार है कि अभिनेता एक ही समय सीमा में दो फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं।

कोर्ट रूम में माधव मिश्रा बन पेचीदा केस सॉल्व करते नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी की मोस्ट पॉपुलर वेबसीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' के 3 सीजन को काफी पसंद किया गया था। सीरीज के तीनों सीजम में पंकज त्रिपाठी ने वकील माधव मिश्रा के किरदार में खूब दिल जीता था। वहीं फैंस इस सीरीज के चौथे सीजन का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में फैंस की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ाते हुए मेकर्स ने 'क्रिमिनल जस्टिस 4' का टीजर जारी कर दिया हैं।

ओटीटी दिग्गज डिज्नी+हॉटस्टार ने शुक्रवार को क्राइम ड्रामा सीरीज़ क्रिमिनल जस्टिस के चौथे चैप्टर की अनाउंसमेंट की है। नई इंस्टॉलमेंट में अभिनेता पंकज त्रिपाठी एक बार फिर अपना आइकॉनिक माधव मिश्रा के किरदार में नजर आएंगें। प्लेटफॉर्म द्वारा जारी की गई सीरीज की पहली झलक में पंकज त्रिपाठी काला कोट पहने कोर्ट में नजर आते हैं। इसी दौरान पंकज कहते हैं अरे क्या।। शांत कोर्ट जारी है। जाइये।। इसके बाद पंकज कहते हैं जरा रुकिए हम जल्द आ रहे हैं वहां देखिए इत्मीनान से अब जाइये। इस टीजर को जारी करते हुए डिज्नी+हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा है, कोर्ट जारी है, और नए सीजन् की तैयारी भी, आ रहे हैं माधव मिश्रा, हॉटस्टार स्पेशल क्रिमिनल जस्टिस के नए सीजन् के साथ! क्रिमिनल जस्टिस का पहला सीजन 2018 में आया था इसे 2008 में इसी नाम की ब्रिटिश टेलीविजन सीरीज से एडेप्ट किया गया था। इसके बाद दूसरा सीजन् साल 2020 में आया था। इस सीजन का टाइटल क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स था। ये भी काफी हिट सीजन रहा था। इसके बाद तीसरा सीरीज का तीसा चैप्टर क्रिमिनल जस्टिस- अधूरा सचसाल 2022 में रहा था। हर बार की तरह तीसरे सीजन ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थी। अब फैंस चौथे सीजन की रिलीज बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पंकज त्रिपाठी स्टारर क्रिमिनल जस्टिस का सीजन डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

100 करोड़ क्लब में पहुंची तमन्ना भाटिया की अरनमनई 4!

अरनमनई 4 ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. फिल्म हर रोज ना सिर्फ घरेलू बॉक्स पर बल्कि दुनिया भर में दमदार कारोबार कर रही है. फिल्म ने भारत में जहां 50 करोड़ रुपए क्लब में एंट्री ले ली है तो वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म का कलेक्शन 100 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है. दुनिया भर में 100 करोड़ की कमाई करने वाली 2024 की पहली तमिल फिल्म और यह सब उस प्यार से है जो आपने हमें दिया है. तमन्ना भाटिया स्टारर फिल्म अरनमनई 4 10 मई को रिलीज हुई थी. फिल्म ने अपने 19 दिनों के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में कैप्टन मिलर और अयालान जैसी फिल्मों को मात दे दी है. फिल्म अपने धांसू कलेक्शन के साथ साल 2024 में तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी हिट बन गई है. अरनमनई 4 एक कॉमेडी-हॉरर फिल्म है जिसमें तमन्ना भाटिया लीड रोल में हैं. फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में एक भाई अपनी अलग हो चुकी बहन की मौत के पीछे की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करता है. उसकी बहन को लेकर कहा जाता है कि उसने खुदकुशी की है, लेकिन उसे लगता है कि इसके पीछे किसी सुपरनैचुरल ताकत का हाथ है. फिल्म में तमन्ना भाटिया के अलावा राशि खन्ना और सुंदर सी भी हैं. फिल्म का डायरेक्शन भी सुंदर सी ने ही किया है.

मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले आईपीएल 2024 में एंकर के रूप में अपनी शुरुआत की

मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले ने आईपीएल 2024 में एक एंकर के रूप में शानदार शुरुआत की और अपने आकर्षण और उत्साह से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पहले ही मैच से, हेमल इंगले के आकर्षक व्यक्तित्व और क्रिकेट के गहन ज्ञान ने आईपीएल प्रशंसकों का दिल जीत लिया, जिससे वह एक घरेलू नाम बन गईं।

हेमल की धाराप्रवाह मराठी एंकरिंग ने आईपीएल प्रसारण में एक क्षेत्रीय स्पर्श लाया, मराठी भाषी दर्शकों को प्रसन्न किया और कमेंट्री में विविधता जोड़ी।

हेमल इंगले के विशेष पर्दे के पीछे के खंडों ने प्रशंसकों को टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिकता के बारे में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे देखने का अनुभव बढ़ गया।

हेमल के बेदाग फैशन सेंस ने आईपीएल सीजन के दौरान नए ट्रेंड सेट किए। उनके स्टाइलिश आउटफिट दर्शकों और फैशन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गए।

हेमल ने शीर्ष आईपीएल खिलाड़ियों और मशहूर हस्तियों के साथ आकर्षक साक्षात्कार आयोजित किए, व्यक्तिगत कहानियाँ और हास्य उपाख्यान निकाले जो दर्शकों को पसंद आए।

इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हेमल की उपस्थिति आसमान छू रही है, प्रशंसक उनके अपडेट और आईपीएल के पर्दे के पीछे की झलकियों को उत्सुकता से देख रहे हैं।

अपने एंकरिंग आकर्षण के अलावा, हेमल ने खेल के प्रति अपनी विशेषज्ञता और जुनून का प्रदर्शन करते हुए अपने गहन क्रिकेट विश्लेषण से दर्शकों को प्रभावित किया।

हेमल इंगले के इंटरैक्टिव सत्रों और प्रशंसकों की व्यस्तताओं ने क्रिकेट प्रेमियों का एक मजबूत समुदाय बनाने में मदद की, जिससे उनके अनुयायियों के बीच अपनेपन की भावना को बढ़ावा मिला।

आईपीएल एंकर के रूप में हेमल के सफल कार्यकाल ने एक नया मानदंड स्थापित किया है, जिससे साबित होता है कि वह न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, बल्कि खेल प्रसारण में भी उनकी शानदार उपस्थिति है।

फ्रॉक स्टाइल ड्रेस में आमना शरीफ ने शेयर की तस्वीरें, फोटोज ने इंटरनेट का पारा किया हाई

टीवी की जानी-मानी और खूबसूरत अभिनेत्री आमना शारीफ आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सक उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपने बोल्ड लुक्स से इंस्टाग्राम पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही छा जाता है।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ाती हुई नजर आ रही हैं।

फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस आमना शरीफ ने व्हाइट कलर का फ्रॉक स्टाइल ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट नजर आ रही हैं।

इस फोटो में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर रिझा रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस आमना शरीफ जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीर पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

आमना शरीफ सोशल मीडिया लवर हैं और साथ ही इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।

असरदार कदम उठाए जाएं

भारत डोगरा

लोकतंत्र को सशक्त करने के लिए और भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए पारदर्शी कार्यपणालियों, निर्णय प्रक्रियाओं और शासन पद्धतियों के महत्त्व को निरंतर बढ़ती मान्यता मिल रही है।

ग्रामीण विकास के विभिन्न आयामों के संदर्भ में पारदर्शिता अपनाने से योजनाओं व कार्यक्रमों में आम गांववासियों की भागेदारी बढ़ेगी और उपलब्ध बजट का लाभ उन लोगों तक पहुंचने की संभावना बढ़ेगी जो उसके वास्तविक हकदार हैं। इतना ही नहीं, पारदर्शिता अपनाने से गलतियों के बारे में आरंभिक स्थिति में ही पता चल जाएगा जिससे अधिक क्षति हुए बिना ही उन्हें सुधारा जा सकेगा।

कल्पना कीजिए, किसी प्रखंड के आदिवासी परिवारों की जिन्हें सदा हाशिये पर ही रखा गया है, वे भीषण अभाव व गरीबी सहने को मजबूर हैं। इस स्थिति में सरकार उनके बहुपक्षीय लाभ की एक योजना बनाती है व इसके लिए पर्याप्त बजट की व्यवस्था की जाती है। पर यह योजना जब ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचती है तो पारदर्शिता के अभाव में इसकी कोई जानकारी आदिवासी परिवारों को नहीं मिलती है। जब उन्हें नई योजना की जानकारी ही नहीं है तो इसकेउ चित क्रियान्वन के लिए भला आवाज क्या उठाएंगे। यह स्थिति उन निहित स्वाथरे के लिए अनुकूल है जो पहले से कमजोर लोगों के हक हड़पते रहे हैं। वे इस नई योजना के बजट का उपयोग भी उस तरह करते हैं कि अधिक लाभ उन्हीं को मिले। आदिवासी परिवारों से उधार के कागजों पर हस्ताक्षर करवा कर उन्हें थोड़ा बहुत धन अहसान की तरह दे दिया जाता है पर योजना का वास्तविक लाभ तो निहित स्वार्थ ही उठाते हैं। दूसरी ओर पारदर्शिता पर आधारित व्यवस्था में किसी भी योजना या कार्यक्रम की उपलब्ध जानकारी लाभार्थियों व अन्य प्रभावित लोगों तक पहुंचाना अनिवार्य होता है। इस स्थिति में लाभार्थी आरंभिक दौर से ही सचेत हो जाते हैं कि उनके लिए जो बजट आया है, उसका पर्याप्त लाभ उन्हें मिलना चाहिए।

ग्राम सभा को सशक्त करना बहुत जरूरी है। सबसे पहला कदम तो यह सुनिश्चित होना चाहिए कि ग्राम सभा व वार्ड सभा की नियमित बैठकें हों तथा आम लोगों के विचार इस मामले में खुलकर सामने आएं कि विकास की प्राथमिकताएं क्या हैं। इस विचार-विमर्श में कमजोर वर्ग के परिवारों और महिलाओं को अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। लोगों की इन प्राथमिकताओं के आधार पर ही गांव के विकास कायरे का नियोजन होना चाहिए। जो भी योजना, कार्यक्रम या विकास कार्य हो उसे सभी गांववासियों के सामने ग्राम सभा में रखना चाहिए। विकास कार्य हो या राहत कार्य, कार्य स्थल पर उसके बजट, खरीदे गए साज-सामान, मजदूरों की संख्या, मजदूरी आदि की जानकारी प्रदर्शित की जानी चाहिए। साथ ही, अन्य सूचना प्राप्त करने का अधिकार भी उपलब्ध होना चाहिए। संविधान के 73वें संशोधन के अनुसार देश भर में जिला, ब्लॉक, पंचायत एवं गांव स्तर पर पंचायती राज का गठन हुआ है, और इन विभिन्न स्तरों पर जनप्रतिनिधि निर्वाचित हो रहे हैं। ग्रामीण विकास के बजट का बढ़ता हिस्सा ग्राम पंचायतों के माध्यम से खर्च होने लगा है।

पंचायतों के पास विकास कायरे का जो बजट पहुंच रहा है, उसमें कुछ न कुछ वृद्धि प्राय- हो रही है। भविष्य में पंचायतों के माध्यम से खर्च होने वाले विकास के बजट के प्रतिशत को बढना चाहिए और उसके लिए कई प्रयास भी हो रहे हैं। पर इसके साथ इस विषय पर भी समुचित ध्यान देना अति आवश्यक है कि किसी भी पंचायत के लिए स्वीकृत बजट का उपयोग ठीक से हो,उसमें कोई घपलेबाजी न हो। यदि पंचायत स्तर पर भी भ्रष्टाचार छा गया तो सामान्य लोगों को इस पंचायती राज के पूरे प्रयोग से ही बहुत निराशा हो जाएगी और पंचायतों को विकास कायरे में जिस जन-भागीदारी की आवश्यकता है, वह उन्हें नहीं मिल सकेगी।

अत- जहां पंचायतों के अधिकार क्षेत्र व कार्यक्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास अवश्य होना चाहिए, वहां यह भी उतना ही आवश्यक है कि पंचायतों को गांववासियों के प्रति इस बारे में जवाबदेह बनाया जाए कि गांव के विकास के लिए जो पैसा आया था वह ठीक से खर्च हुआ कि नहीं। इस तरह के कानून और नियम बनने चाहिए जिससे विकास का बजट ठीक से, ईमानदारी से खर्च होने की संभावना बढ़ जाए तथा जहां भ्रष्टाचार की नीयत है, वहां इस पर अंकुश लग जाए। जहां भ्रष्टाचार का जरा भी शक हो, वहां ऐसे नियमों व कानूनों का लाभ उठाकर गांववासी भ्रष्टाचार को पकडने व इस पर रोक लगाने के लिए सक्रिय हो सकें। एक बहुत मूल मुद्दा यह है कि ग्राम-सभा सशक्त हो और सभी गांववासी अपनी लोकतांत्रिक भूमिका निभाने में सक्षम हों।

इसी तरह का एक कानून है सूचना के अधिकार या सूचना की स्वंतत्रता का कानून। पंचायतों के संदर्भ में इस कानून का व्यावहारिक अर्थ है कि किसी गांव में पंचायत जो भी विकास कार्य करेगी, उसके बारे में जानकारी प्राप्त करने का हक व उससे संबंधित विभिन्न कागजात को प्राप्त करने या उनकी जांच करने का हक गांववासियों को होगा। उदाहरण के लिए किसी गांव में यदि चेक डैम बनने का बजट स्वीकृत हुआ है तो गांववासियों को हक है कि इस चेकडैम का बजट एवं अन्य सब जानकारियों को प्राप्त करें। कहने का तात्पर्य यह है कि सूचना का अधिकार पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार पर नियंतण्रके लिए है। इस अधिकार का उपयोग कर ग्रामीण भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में अपनी भागीदारी निभा सकते हैं। इस कार्यसंबंधी सभी मुख्य जानकारियां पंचायत भवन में एवं कार्यस्थल पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएंगी। यह जानकारी ग्रामसभा की बैठक में भी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जिसे विस्तार से कागजात, बिल, वाउचर, मस्टर रोल आदि देखने हों, उसे इनका निरीक्षण करने व कागजात की फोटोकापी या सत्यापित प्रतिलिपि प्राप्त करने का अधिकार भी होगा।

यह विभिन्न तरह की जानकारियां प्राप्त करने का अधिकार सूचना के अधिकार या स्वतंत्रता के कानून से मिलता है। सूचना के अधिकार का कानून राष्टीय स्तर पर पूरे देश के लिए बन चुका है। गांववासी आवश्यकता पडने पर इस विषय पर एक जनसुनवाई का आयोजन भी कर सकते हैं। इस जन सुनवाई में गांव के सब लोगों को बुलाया जाएगा व विकास कायरे संबंधी जो जानकारी सूचना के अधिकार के उपयोग व गांववासियों की अपनी जांच से प्राप्त हुई है, उसे सबके सामने रखा जाएगा। इस जन सुनवाई में उन व्यक्तियों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए अवश्य बुलाना चाहिए जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप है।

इसके अतिरिक्तक्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों,अधिकारियों, पत्रकारों व मीडिया प्रतिनिधियों को भी बुलाना चाहिए। फिर उपस्थित प्रतिष्ठित व्यक्तियों के पैनल की देखरेख में जनसुनवाई का काम चलना चाहिए। जांच से प्राप्त सभी तथ्य लोगों के सामने विस्तार से रखे जाएं। फिर उन लोगों का अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाए, जो इस बजट के उचित उपयोग के लिए जिम्मेदार थे। फिर उपस्थित प्रतिष्ठित व्यक्ति भी अपने विचार लोगों के सामने रखें। खुले मंच पर साधारण ग्रामवासियों को अपनी बात कहने का अवसर दिया जाए। इस तरह इन तथ्यों को सबके सामने रख यह मांग उठानी चाहिए कि ग्रामीण विकास के जिस भी कार्य में धन का दुरुपयोग हुआ है, उसे विकास कार्य के लिए वापस प्राप्त किया जाए एवं भविष्य में भ्रष्टाचार की संभावना को रोकने के लिए असरदार कदम उठाए जाएं।

सू- दोकू क्र. 101

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.100 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

खाने-पीने की चीजों में मिलावट की समस्या बहुत पुरानी

अशोक शर्मा

इस महीने के शुरू में सिंगापुर और हांगकांग में मसालों के दो मशहूर भारतीय ब्रांडों के उत्पादों पर पाबंदी लगा दी गयी। इन मसालों में घातक कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड मिलने की बात सामने आयी है, जो मानवीय उपभोग के लिए उचित नहीं है और इसे निरंतर खाने से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी भी हो सकती है। इस खबर के आने के बाद भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने इन उत्पादों की जांच करने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय मसालों के इन दोनों ब्रांड का घरेलू बाजार में भी वर्चस्व है तथा इनकी भारी मांग अमेरिका, यूरोप, मध्य-पूर्व समेत विभिन्न विदेशी बाजारों में भी है। ऐसे में दो जगहों पर पाबंदी के बाद इनके उत्पादों की गहन जांच जरूरी हो जाती है। हाल ही में खाद्य प्राधिकरण ने ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया है कि 'स्वास्थ्यवर्द्धक पेय' बताकर बेचे जा रहे उत्पादों को इस श्रेणी से हटा लिया जाए क्योंकि ऐसी कोई श्रेणी खाद्य कानून में परिभाषित ही नहीं की गयी है। यह निर्देश भी तब जारी हुआ, जब यह पता चला कि ऐसे कुछ उत्पादों में चीनी की मात्रा बहुत अधिक है और बच्चों-किशोरों के स्वास्थ्य पर इनका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

खाद्य प्राधिकरण एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के बेबी फूड (नवजात शिशुओं के लिए खाद्य पदार्थ एवं पेय) में चीनी की मात्रा की जांच भी कर रहा है। रिपोर्टों में बताया गया है कि अन्य कई ब्रांडों के उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाया जा सकता है। ऐसी आशा है कि दोषी पाये गये ब्रांडों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इन मामलों से यह भी इंगित हो रहा है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच और निगरानी की व्यवस्था को मुस्तैद करने की आवश्यकता है। हमारे देश में खाने-पीने की चीजों में मिलावट की समस्या बहुत पुरानी है। ऐसे कई मामले पकड़े भी जाते हैं और दोषियों को दंडित भी किया जाता है, पर फिर भी मिलावट का खेल चलता रहता है। इसे रोकने के लिए कठोर प्रावधानों की जरूरत है। साथ ही, उन अधिकारियों को भी सजा दी जानी चाहिए, जिनकी लापरवाही से यह सब चलता रहता है। हालिया मामले इसलिए भी गंभीर हैं कि वे बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े हैं तथा मसाले हर रसोई की जरूरत हैं। हमारे देश में बच्चों में मोटापा बढ़ना एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। उसकी मुख्य वजह बाजार के उत्पादों में चीनी जैसी चीजों की मौजूदगी है। जंक फूड, फास्ट फूड, डिब्बाबंद चीजें आदि के बारे में चिकित्सक पहले से ही आगाह करते आ रहे हैं कि ये गंभीर रोगों के कारण हैं। खाद्य पदार्थों में डाले जा रहे नुकसानदेह तत्वों से स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ेंगी।

रोजाना सूर्य नमस्कार करने से मिलते है अनेक फायदे

सूर्य नमस्कार सुबह की योग मुद्रा है, जिसे यदि प्रतिदिन नियमित रूप से किया जाए तो शरीर स्वस्थ और दीप्तिमान हो जाता है।

सूर्य नमस्कार में 12 प्रभावी आसन होते हैं। ऐसा करने से मन को शांति मिलती है और शरीर स्वस्थ रहता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सुबह खाली पेट सूर्य नमस्कार करना सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। हाथ छाती के पास नमस्कार की स्थिति में होने चाहिए। पैरों को एडजस्ट करते हुए, सामने देखते हुए या आंखें पोंछते समय बिजमंत्र से सूर्य नाम का उच्चारण करना चाहिए।

लाभ- सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शारीरिक स्तर पर स्थिरता आती है। प्रभावित अंगों पर दबाव पड़ता है जिससे उन अंगों में रक्त संचार बेहतर होता है। शुद्ध रक्त की आपूर्ति होती है जो अंगों के कार्य को बढ़ाती है।

यह संबंधित विकारों को ठीक करने में मदद करता है। सूर्य नमस्कार बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करता है और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने वाली ग्रंथियों के कार्य में सुधार करता है। शारीरिक, मानसिक दक्षता को बढ़ाता है। स्थिरता पैदा करके बच्चों में अस्थिरता को कम करने में मदद करता है।

सीएम धामी ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर वृक्षारोपण किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सहस्त्रधारा हेलीपैड के निकट सिटी पार्क में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत अनेक प्रजाति के पौध लगाये गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों को बचाने के लिए संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अह्वाहन किया कि सभी परिवारों को जल संरक्षण में अपना योगदान देना होगा। हिमालय पर्वत की विश्व को स्वच्छ हवा और पानी देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए देवभूमि उत्तराखंड की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक कैफे पर छापा मारा तो वहां से चार पेटी शराब की बरामद कर ली। पुलिस ने कैफे संचालक मनीष रावत पुत्र बलवंत सिंह रावत निवासी बडकली क्लेमनटाउन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सहस्त्रताल: 11 ट्रैकर्स को रेस्क्यू कर.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

के फँसे होने की घटना से प्रशासन को अवगत कराया गया। मामले में जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया है कि सहस्त्रताल की ट्रैकिंग रुट पर फंसे ट्रैकर्स को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ व वन विभाग के रेस्क्यू दल अलग-अलग दिशाओं से घटना स्थल के लिए रवाना किये गये। वहीं इस रेस्क्यू अभियान के समन्वय में जुटे पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि एसडीआरएफ की माउंटेनियरिंग टीम भी देहरादून से हेलीकॉप्टर से एरियल रैकी के रवाना हुई है। प्रशासन के द्वारा वायु सेना से भी फंसे ट्रेकर्स के सर्च और रेस्क्यू हेतु अनुरोध किया गया। जिसे देखते हुए मातली व हरसिल सहित अन्य हेलीपैड पर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये गए हैं। सहस्त्रताल ट्रेक रुट पर फंसे ट्रैकर्स को निकालने के लिए वायु सेवा के द्वारा भी सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। जिला प्रशासन के अनुरोध पर वायु सेना के दो चेतक हेलीकॉप्टर अभियान में लगाये गए। बताया जा रहा है कि वायु सेना, एसडीआरएफ तथा अन्य संगठनों द्वारा चलाये जा रहे इस रेस्क्यू अभियान में अब तक 11 ट्रैकर्स को सुरक्षित निकाल लिया गया है। जिनमें से आठ को देहरादून भेज दिया गया है। जबकि तीन ट्रैकर्स नटीण भटवाड़ी में रूके है। इस रेस्क्यू अभियान में पांच ट्रैकर्स के शव भी बरामद किये गये है जिनके शव नटीन हेलीपेड पर लाये गये है। दो ट्रैकर्स सिल्ला गांव के रास्ते वापस लौट रहे है। जबकि चार की तलाश में रेस्क्यू अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स व मृतकों के नाम

उत्तरकाशी। रेस्क्यू किये गये 11ट्रैकर्स के नाम सौम्या कनाले, स्मृति डोलस, शीना लक्ष्मी, एस शिवा ज्योति, अनिल जमतीगें, भारत बोम्मना गौडर, मधु किरण रेड्डी, जय प्रकाश बी.एस., एस सुधाकर, विनय राम के व विवेक श्रीधर शामिल है। जबकि सिल्ला गांव से पैदल लौट रहे ट्रैकर्स के नाम नवीन ए व रितिका जिंदल बताये जा रहे है। वहीं मृतक पांच ट्रैकर्स जिनके शव नटीन हैलीपेड पर लाये गये है। उनके नाम सिंधु वाकेलाम, आशा सुधाकर, सुजाता मुंगूरवाडी, विनायक मुगूंरवाड़ी व चित्रा प्रणीत बताये जा रहे है।

झूठी जुमलेबाजी के खिलाफ जनता ने दिया जनादेश: माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि भाजपा के नेता चुनाव प्रचार में मन्दिर, मस्जिद, मुस्लिम, मछली, मंगलसूत्र, मुजरे पर तो खूब बोले परन्तु मणिपुर पर बोलना भूल गये जिसका जवाब देश की जनता ने अपने जनादेश में उन्हें दिया।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन राजीव महर्षि के माध्यम से जारी बयान में उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने लोकसभा चुनाव में मिले जनादेश का स्वागत करते हुए देश की प्रबुद्ध जनता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जनता ने जो जनादेश दिया है कांग्रेस पार्टी उसका स्वागत करती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि पूरे चुनाव प्रचार में नरेन्द्र मोदी एवं उनकी पार्टी के नेता अपनी पार्टी के 10 वर्ष के कार्यकाल का कोई भी विकास का कार्य नहीं गिना पाये तथा लगातार जनता को भ्रमित करने वाली भाषणबाजी करते रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता चुनाव प्रचार में मन्दिर, मस्जिद, मुस्लिम, मछली, मंगलसूत्र, मुजरे पर तो खूब बोले परन्तु मणिपुर पर बोलना भूल गये जिसका जवाब देश की जनता ने अपने जनादेश में उन्हें दिया। करन माहरा ने कहा कि उत्तराखण्ड प्रदेश में भले ही कांग्रेस पार्टी को आशातीत परिणाम नहीं मिल पाये परन्तु पार्टी ने विगत लोकसभा और विधानसभा चुनाव की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन किया तथा पार्टी के वोट प्रतिशत में काफी इजाफा हुआ। उन्होंने कहा कि मंगलौर एवं बद्रीनाथ में होने वाले उपचुनाव तथा निकाय चुनावों में निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी इस फासले को भी पाटने का काम करेगी तथा कांग्रेस प्रत्याशी भारी मतों से विजयी होंगे।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि भाजपा ने अपने पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल में कोई भी ऐसा काम नहीं किया जिस पर देश की जनता को गर्व हो। महंगाई और बेरोजगारी पिछले 10 वर्ष में अपने चरम पर रही है, नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने केवल देश की जनता को झूठी जुमलेबाजी से भ्रमित करने के अलावा देश के किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं और गरीब जनता को ठगने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की आय दुगनी करने के बड़े-बडे ढोल पीटती रही परन्तु किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम देने के लिए एम.एस.पी. लागू करने की मांग नहीं मानी गई। उर्वरक खाद के बोरे का वनज घाटा कर 50 किलो के स्थान पर 40 किलो कर किसानों के साथ धोखा किया गया। प्रदेश कांग्रेस मीडिया चेयरमैन राजीव महर्षि ने कहा कि देश की जनता ने भाजपा और नरेन्द्र मोदी को लोकसभा चुनाव में सच्चाई का आईना दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जिस प्रकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया गया तथा देश के संविधान को बदलने की चेष्टा की इसके जवाब में देश की जनता ने भाजपा की सरकार को ही बदलने का मन बनाया। बेरोजगारों के भविष्य को चौपट करने वाली अग्निवीर योजना तथा महंगाई व भ्रष्टाचार तथा उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार पेपर लीक की घटनायें हुई उसका जवाब युवाओं ने ईवीएम मशीन का बटन दबा कर दिया।

तमंचे व कारतूस सहित बदमाश दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से एक तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली लक्सर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान उसे क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। कोतवाली लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित पुत्र प्रमोद निवासी ग्राम शेखूपुरा थाना मण्डावर जिला बिजनौर उ.प्र. बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

कृषि मंत्री ने अपने शासकीय आवास पर किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने शायकीय आवास पर वृक्षारोपण किया।

आज यहां विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास पर वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण के दौरान कृषि मंत्री ने एक पौधा आंवला व एक पौधा आम का लगाया। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि ग्लोबल वार्मिग के बढते प्रताप के चलते पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा की आवश्यकता है। आज यह भी आवश्यक हो गया है कि हमें पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढाने, ग्लोबल वार्मिग और अधिक जनसंख्या जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में मानवजनित आगजनी की घटनाओं पर रोक लगाने के साथ-साथ अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की जरूरत है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण की अपील की।

बस्तीवासियों की समस्या को लेकर एमडीडीए उपाध्यक्ष से मिला संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल

संवाददाता

देहरादून। बस्तीवासियों की समस्या को लेकर एक प्रतिधिमण्डी ने एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। आज बस्तीवासियों की समस्या को लेकर एक प्रतिनिधिमण्डल उपाध्यक्ष एमडीडीए वंशीधर तिवारी को ज्ञापन देकर उनसे तमाम मुद्दों पर चर्चा की तथा एमडीडीए एवं नगर निगम द्वारा भेजे गये नोटिसों को विधिसम्मत न होने का जिक्र किया तथा कहा है कि बिना कानूनी प्रक्रिया के किसी को भी बेदखल करना सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के खिलाफ है। प्रतिनिधि मण्डल ने कहा साक्ष्य के लिये मात्र बिजली व पानी का कनैक्शन नहीं बल्कि वोटर, आधार,

राशन कार्ड, स्कूल प्रमाण पत्र, जन्म मृत्यु तथा डीएल आदि होने चाहिए क्योंकि अधिकांश लोगों के पास ये सबूत हैं जिसे एमडीडीए स्वीकार नहीं करेगा। उपाध्यक्ष ने न्यायोचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल सीपीएम सचिव अनन्त आकाश सीआईटीयू राज्य सचिव लेखराज ,एटक के एस एस रजवार ,चेतना आन्दोलन के विनोद बडोनी ,एस एफ आई नेता शैलेन्द्र परमार ,पीएसएम के विजय भट्ट राजेन्द्र शाह,इन्टक अनिल कुमार, हरीशकुमार आदि मौजूद थे।

एक नजर

'अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाए'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बुध वार को बुद्ध जयंती पार्क में पौधा रोपकर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। अधिकारियों के मुताबिक इस अभियान का नाम एक पेड़ मां के नाम रखा गया है और इसके तहत देशभर में लाखों पेड़ लगाए जाएंगे। मोदी ने पौधारोपण के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मुझे श्एक पेड़ मां के नामश अभियान शुरू कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं देशवासियों के साथ ही दुनियाभर के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं। यह आपकी तरफ से उन्हें एक अनमोल उपहार होगा। उन्होंने देशवासियों से इस अभियान से जुड़ी तस्वीर श्प्लांटफॉरमदरश हैशटैग और एक पेड़ मां के नाम हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आप सभी को इस बात की बहुत खुशी होगी कि पिछले । दशक में भारत ने अनेक सामूहिक प्रयास किए हैं जिससे देशभर में वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह सतत विकास की दिशा में हमारे प्रयासों के लिए बहुत अच्छा है।

देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में बीजेपी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की

मुंबई। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद हाहाकार मचा हुआ है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने कई सीटों पर बीजेपी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की है। उन्होंने बीजेपी नेतृत्व से कहा है कि वह सरकार के कामकाज से मुक्त होकर पार्टी व संगठन के लिए काम करना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, देवेंद्र फडणवीस की ओर से हार की जिम्मेदारी लिए जाने के बाद महाराष्ट्र बीजेपी के नेताओं ने बैठक की है और फडणवीस को मनाने की और अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की गुजारिश की जा रही है। महाराष्ट्र के चुनावी नतीजों के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं भागने वाला आदमी नहीं हूं और इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा, यह चुनाव नैरेटिव की लड़ाई था। विपक्ष ने संविधान बदलने का नैरेटिव सेट किया, जिसे हम डिफेंड नहीं कर सके। उन्होंने कहा, मैं भाजपा के संगठन को मजबूत करने में लगना चाहता हूं। मैं विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी को पूरा समय देना चाहता हूं और बीजेपी आलाकमान से अनुरोध कर रहा हूं कि वे मुझे सरकार की जिम्मेदारी से मुक्त कर दें ताकि मैं आगामी चुनावों के लिए पार्टी के लिए कड़ी मेहनत कर सकूं।

अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी मामले में कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी। बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने 1 जून को ही इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट में याचिका दायर कर अंतरिम जमानत बढ़ाने की अपील की थी, इसके उनकी तरफ से स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया गया था। ईडी की ओर से एसवी राजू ने इसका विरोध किया था। ईडी की ओर से उस समय बताया गया था कि वह मेडिकल ग्राउंड पर जमानत मांग रहे हैं, जबकि पंजाब में चुनाव प्रचार कर रहे थे। अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। 1 अप्रैल को वह न्यायिक हिरासत में भेज दिए थे। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को चुनाव प्रचार के लिए उन्हें जमानत दे दी थी। जमानत देते वक्त उन्हें 2 जून को सरेंडर करने को कहा गया था। इससे पहले ही अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिस पर 1 जून को सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। सरेंडर की तारीख नजदीक आने से पहले केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रख किया था।

उत्तराखंड से अबकी बार कौन बनेगा मंत्री ?

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा ने लगातार तीसरी बार राज्य की सभी पांच सीटों पर जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। केंद्र से मोदी सरकार के डबल इंजन सरकार के फार्मूले का भले ही किसी राज्य में उतना फायदा मिला हो या न मिला हो मगर उत्तराखंड सरकार को भरपूर सहयोग मिला है। राज्य के नेताओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में उचित स्थान मिलता रहा है। इस बार विजयी सभी पांच सांसदों में सभी अब यह अपेक्षा लगाए बैठे हैं कि उन्हें मंत्रिमंडल में स्थान मिलना चाहिए। किंतु वर्तमान स्थिति में यह संभव होता है या नहीं यह आने वाला समय ही बताएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट इस सफलता पर गदगद है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पांच कमल पुष्प समर्थित किए हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष कृपा के

❑सभी प्रत्याशी उम्मीद लगाए बैठे हैं, सभी की दावेदारी के अपने ठोस तर्क

वह तथा राज्य दोनों ही हकदार हैं। राज्य में चल रही सभी विकास योजनाओं पर अब और अधिक तेजी से काम होना चाहिए तथा राज्य को मंत्रिमंडल में भी वैसे ही उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए जैसे पहले दो कार्यकाल में मिलता रहा है। दोनों बार उत्तराखंड से एक-एक राज्य मंत्री और एक मंत्री पद मिलता रहा है। पहली बार दलित कोटे से अल्मोड़ा सांसद अजय टम्टा को राज्य मंत्री बनाया गया और उसके बाद उन्हें पर्यटन राज्य मंत्री भी बनाया गया। वही रमेश पोखरियाल निशंक को भी पहले एचआरडी विभाग में जोड़ा गया और फिर शिक्षा राज्य मंत्री बनाया उन्हें हटाए जाने के बाद अजय भट्ट को रक्षा राज्य मंत्री बनाया गया था।

लेकिन इस बार परिस्थितियों पहले से भिन्न है। भाजपा को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। इसलिए एनडीए के सहयोगी दलों का दबाव भी बढ़ गया है दूसरा संख्या बल भी अत्यंत कम हो गया है जिसका सीधा असर मंत्रिमंडल पर पढ़ना तय है। इसलिए राज्य से कोई मंत्री बन भी पाएगा या नहीं यह जरूरी नहीं है। लेकिन उम्मीद पर सभी कायम है और अभी तो यह भी तय नहीं है कि मोदी इस हालत में सरकार बनाएंगे भी या नहीं। मंत्री बनना तो बाद की बात है जबकि विजयी सभी प्रत्याशी अपनी दावेदारी के ठोस तर्क पेश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री आवास परिसर में वृक्षारोपण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामना दी। इस अवसर पर श्रीमती गीता पुष्कर धामी, विधायक किशोर उपाध्याय, फकीर राम टम्टा और पूर्व वन मंत्री दिनेश अग्रवाल ने भी वृक्षारोपण किया।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने रेस्टोरेंट के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालतप्पड रेशम माजरी निवासी नीतू कुमारी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह फन वैली के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में बैठे थे तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल रेस्टोरेंट के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई बस, कन्डक्टर की मौत, 14 गंभीर

कार्यालय संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड रोडवेज की बस उत्तर प्रदेश के नैनीताल-रामपुर हाईवे पर बिलासपुर के पास ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में रोडवेज के बस परिचालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत 14 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी को उपचार के लिए रामपुर और बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पांच यात्रियों की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना देर रात की बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, हल्द्वानी रोडवेज डिपो की बस मंगलवार देर शाम हल्द्वानी से दिल्ली के लिए चली थी। देर रात करीब 11:30 बजे नैनीताल-रामपुर हाईवे पर बिलासपुर के पास बस की ट्रैक्टर ट्रॉली से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस में बैठे परिचालक मनीष मिश्रा की मौत हो गई।

वहीं चालक समेत बस में सवार यात्रियों कुल 14 लोगों को चोटें आई हैं। सभी को रामपुर और बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोटरसाईकिल की टक्कर से एक्टिवा सवार बाप बेटी घायल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर एक्टिवा सवार बाप बेटी घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंगल मण्डी निवासी आकाश कुमार शर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई एक्टिवा से अपनी दो बेटियों के साथ बाजार से घर को तरफ आ रहा था जब वह घर के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे मोटरसाईकिल सवार ने तेजी व लापरवाही से मोटरसाईकिल चलाते हुए उसके भाई की एक्टिवा पर टक्कर मार दी जिससे उसका भाई व उसकी बेटियां गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।